Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (UKPSC)

समसामयिक घटनाक्रम

(उत्तराखंड के विशेष संदर्भ सहित)

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

Code: UKM02

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (UKPSC)

समसामयिक घटनाक्रम

(उत्तराखंड के विशेष संदर्भ सहित)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

दूरभाष : 011-47532596, 87501 87501

टोल फ्री : 1800-121-6260

Web : www.drishtiIAS.com

E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें

www.facebook.com/drishtithevisionfoundation

www.twitter.com/drishtiias

UKPSC DLP

विषय सूची (Contents)

1.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे	5–16
2.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	17–31
3.	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	32–38
4.	सुरक्षा	39–47
5.	सामाजिक मुद्दे	48–64
6.	कला एवं संस्कृति	65–72
7.	संवैधानिक एवं प्रशासनिक	73–79
8.	आर्थिक पॉलिसी	80–87
9.	पुरस्कार एवं सम्मान	88–96
10.	खेल परिदृश्य	97–106
11.	सम्मेलन/प्रदर्शनी/महोत्सव	107–113
12.	अंतरिक्ष	114–122
13.	उत्तराखंड : सम-सामयिकी	123–150

अध्याय 1

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे (International Issues)

तालानोआ डायलॉग

- 'तालानोआ' (Talanoa) प्रशांत द्वीपों की भाषा का शब्द है। इसका तात्पर्य वार्ताओं को आसान, मुक्त, मैत्री, प्रतिस्पर्द्धी और पारदर्शितापूर्ण बनाने से है। इसके तहत विचारों का आदान-प्रदान कहानियों के माध्यम से किया जाता है।
- तालानोआ में अन्य देशों पर इल्ज़ाम लगाने अथवा उनकी आलोचना करने की कोई गुंजाइश नहीं है।
- हाल ही में इस शब्द का प्रयोग फिज़ी के प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनीमारामा ने बॉन (जर्मनी) में चल रहे COP 23 बैठक में किया है। उनके द्वारा इस शब्द का प्रयोग इस ओर संकेत करने के लिये किया गया था कि उनकी सरकार के दौरान होने वाली जलवायु संबंधी सभी वार्ताएँ समावेशी और मैत्री होंगी।

ब्रिक्स विश्वविद्यालय लीग

- ब्रिक्स विश्वविद्यालय लीग, ब्रिक्स देशों के अग्रणी शोध विश्वविद्यालयों का एक संघ (Consortium) है।
- इसका उद्देश्य ब्रिक्स देशों में शैक्षणिक और विशेषज्ञ सहयोग, तुलनात्मक अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक परियोजनाओं के लिये साझा मंच का विकास करना है।
- इस लीग को आरंभ करने का विचार सबसे पहले जुलाई 2013 में शंघाई में रखा गया था, जिसके उपरांत 'बीजिंग नॉर्मन यूनिवर्सिटी' में वर्ष 2015 में ब्रिक्स देशों के 40 विश्वविद्यालयों की बैठक में ब्रिक्स विश्वविद्यालय लीग की स्थापना की गई।
- इस विश्वविद्यालय लीग का सचिवालय बीजिंग नॉर्मन यूनिवर्सिटी में स्थापित किया गया है। यह लीग ब्रिक्स देशों में आपसी सहयोग के लिये रणनीतिक आधार मुहैया कराएगी।

TIR कन्वेंशन, 1975

- हाल ही में भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के टी.आई.आर. (International Road Transport) कन्वेंशन का अनुसमर्थन किया है।
- टी.आई.आर. कन्वेंशन, 1975 वस्तुओं के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन पर सीमा शुल्क कन्वेंशन से संबंधित है। भारत ने इस समझौते में शामिल होने के लिये मार्च 2017 में मंज़ूरी प्रदान की थी।
- भारत के संदर्भ में यह समझौता दिसंबर 2017 में लागू हो गया। भारत इस समझौते का 71वाँ सदस्य है।

TIR कन्वेंशन, 1975 क्या है?

- 'द कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट ऑफ गुड्स अंडर कवर ऑफ टी.आई.आर. कन्वेंशन' एक बहुपक्षीय संधि है।
- यह संधि 14 नवंबर, 1975 को जेनेवा में संपन्न हुई थी।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सड़क परिवहन की प्रशासनिक औपचारिकताओं (Administrative Formalities) को सरल एवं सुसंगत बनाना है।
- टी.आई.आर. माल परिवहन के लिये मानकों का निर्धारण करता है। इसका प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय सड़क परिवहन संघ द्वारा किया जाता है।
- इस प्रणाली का विकास 'यूरोप के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग' (United Nations Economic Commission for Europe–UNECE) के तत्त्वावधान में किया गया था। वर्तमान में इसमें यूरोपीय संघ सहित 73 देश शामिल हैं।

सदस्य देश लंबे समय तक अच्छे पड़ोसी का धर्म, मित्रता और सहयोग की नीति के कार्यान्वयन के लिये पाँच वर्षों की रूपरेखा पर काम करेंगे, साथ ही ***आतंकवाद, अलगाववाद*** और ***अतिवाद*** जैसी तीन बुरी ताकतों से लड़ने के लिये सहयोग के ***तीन-वर्षीय कार्यक्रम*** तैयार करेंगे।

शंघाई सहयोग संगठन

शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Cooperation Organisation-SCO) एक ***यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन*** है।

- वर्ष ***2001 में चीन, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान*** ने शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना शंघाई में की। हालाँकि इस संगठन की शुरुआत शंघाई-5 के रूप में 26 अप्रैल, 1996 को हुई थी। शंघाई-5 चीन, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान देशों का संगठन था। ***15 जून, 2001 को जब उज्बेकिस्तान*** को इसमें शामिल किया गया तो इसका नाम बदलकर शंघाई सहयोग संगठन रख दिया गया।
- वर्ष 2017 में कजाखस्तान की राजधानी ***अस्ताना*** में हुए शिखर सम्मेलन में ***भारत व पाकिस्तान को एससीओ के पूर्ण सदस्य*** के तौर पर शामिल किया गया। इस तरह अब शंघाई सहयोग संगठन की सदस्य संख्या बढ़कर आठ हो गई है।
- ***हेड ऑफ स्टेट काउंसिल*** इसका शीर्षस्थ नीति-निर्धारक निकाय है। ***चीनी*** और ***रूसी*** शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक भाषाएँ हैं।

हेग कन्वेंशन

- हाल ही में केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि ***भारत हेग संधि पर हस्ताक्षर नहीं करेगा।*** ध्यातव्य है कि सरकार का विचार विधि आयोग द्वारा दी गई सिफारिशों के विपरीत है, जिसमें हेग कन्वेंशन में प्रवेश करने का समर्थन किया गया है।
- ***अंतर्राष्ट्रीय बाल अपहरण (1980)*** के नागरिक पहलुओं पर आधारित इस बहुपक्षीय संधि पर हस्ताक्षर करने का अर्थ यह होगा कि सरकार को सामान्यत: उन महिलाओं के ***बच्चों को विदेशों में वापस भेजना होगा,*** जो अनुपयुक्त वैवाहिक संबंधों से परेशान होकर अपने बच्चों को भारत में निवास के लिये लेकर आ गई हैं। भारतीय महिलाओं में ऐसे मामले अधिक दिखाई देते हैं जो ***अनुपयुक्त विवाह*** के कारण अक्सर भारत सुरक्षित लौट आती हैं।
- विदित हो कि विदेशी न्यायालयों द्वारा दिये गए निर्णय, भारत के लिये बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन अगर भारत हेग कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करता है तो यह स्वयं के कानूनों के तहत फैसला लेने के बजाय अंतर्राष्ट्रीय नियमों को मानने के लिये ***बाध्य*** हो जाएगा।

क्या है हेग कन्वेंशन?

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जो उन बच्चों की त्वरित वापसी को सुनिश्चित करती है, जिनका 'अपहरण' कर उन्हें उस जगह पर रहने से वंचित कर दिया गया हो, जहाँ वे रहने के अभ्यस्त हैं।
- कन्वेंशन के तहत हस्ताक्षर करने वाले देशों को उनके अभ्यस्त निवास स्थान से गैर-कानूनी ढंग से निकाले गए बच्चों का पता लगाने और उनकी वापसी को सुनिश्चित करने के लिये एक केंद्रीय प्राधिकरण का निर्माण करना होता है। उदाहरण के लिये किसी देश ने हेग कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किये हों और इस मसले पर उस देश का अपना कानून कोई अलग राय रखता हो तो भी उसे हेग कन्वेंशन के नियमों के तहत ही कार्य करना होगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. TIR कन्वेंशन, 1975 समझौते में भारत का स्थान है?
   (a) 71वाँ (b) 73वाँ
   (c) 75वाँ (d) 78वाँ

2. वर्ष 2018 में दिल्ली डायलॉग वार्ता फोरम का कौन-सा संस्करण संपन्न हुआ?
   (a) 10वाँ (b) 11वाँ
   (c) 8वाँ (d) 5वाँ

3. चाबहार बंदरगाह स्थित है–
   (a) मालाबार तट
   (b) कोरोमंडल तट
   (c) कोंकण तट
   (d) मकरान तट
4. कलादान परियोजना किससे संबंधित है–
   (a) म्याँमार-मिज़ोरम (b) म्याँमार-नागालैंड
   (c) भूटान-सिक्किम (d) भूटान-असम
5. 17वीं शांगरी-ला वार्ता कहाँ आयोजित हुई?
   (a) चीन (b) सिंगापुर
   (c) भारत (d) ऑस्ट्रेलिया

उत्तरमाला

1. (a) 2. (a) 3. (d) 4. (a) 5. (b)

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (उत्तर लगभग 20 शब्दों में दीजिये)

(a) रोहिंग्या संकट क्या है?
(b) हंबनटोटा बंदरगाह
(c) CPTPP क्या है?

लघु एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न (उत्तर लगभग 50, 125 या 250 शब्दों में दीजिये)

1. हेग कन्वेंशन पर चर्चा करें।
2. फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
3. चाबहार बंदरगाह का महत्त्व समझाइये।

अध्याय
2

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
(Science and Technology)

बायडू-3

- ये प्रक्षेपित उपग्रह 'बायडू नौवहन उपग्रह प्रणाली' के तीसरे व अंतिम चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- ये पृथ्वी की मध्यम कक्षा में 21,500 किमी. की ऊँचाई पर 55.5 डिग्री झुके हुए हैं।

बायडू नौवहन उपग्रह प्रणाली

- औपचारिक रूप से 1994 में शुरू हुई इस परियोजना ने चीन में वर्ष 2000 में एवं एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2012 से कार्य करना प्रारंभ किया।
- यह देश के अलग-अलग क्षेत्रों व सड़कों के लिये नौवहन की सेवा प्रदान करेगा तथा 2020 तक स्वदेशी वैश्विक उपग्रह नौवहन प्रणाली तैयार करने में भी मदद करेगा। इस परियोजना के लिये चीन स्वयं का 30 उपग्रहों का समूह रखना चाहता है।
- इस तरह स्वदेशी नौवहन प्रणाली क्षमता में चीन, अमेरिका व रूस के बाद तीसरे स्थान पर होगा।
- चीन की तरह भारत ने भी अपनी स्वदेशी नौवहन प्रणाली 'गगन' का विकास किया है।

क्या है गगन प्रणाली?

- GPS की सहायता से संवर्द्धित प्रणाली GPS-Aided Geo Augmented Navigation (GAGAN) का विकास किया गया।
- इस प्रणाली का उपयोग नागरिक उड्डयन की सूक्ष्म आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये GPS की शुद्धता और समग्रता में वृद्धि हेतु किया जाता है।
- उपयोगकर्त्ताओं को उड़ान के सभी चरणों के लिये ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम जीपीएस पर भरोसा हो सके इसके लिये आवश्यक है कि नेविगेशन प्रणाली को अतिरिक्त सटीकता और समग्रता प्रदान की जाए। गगन प्रणाली ऐसा ही एक प्रयास है।
- गगन परियोजना AAI और ISRO की एक तीन चरणीय संयुक्त परियोजना है।
- गगन जीपीएस स्टैंडर्ड पोजिशनिंग सर्विसेज़ नेविगेशन संकेत को बढ़ाने के लिये ग्राउंड स्टेशन की एक प्रणाली का उपयोग करता है।

एग्लाइ एक्सीलेटर

हाल ही में फ्राँस के पेरिस शहर में प्राचीन तथा अनमोल कलाओं की नाजुक एवं खूबसूरत कलाकारी के गंभीर विश्लेषण में सहायता प्रदान करने के लिये दुनिया के एकमात्र समर्पित कण त्वरक (Particle Accelerator Dedicated) को स्थापित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस 37 मीटर लंबाई वाले एग्लाइ एक्सीलेटर (Aglae Accelerator) को पेरिस संग्रहालय के नीचे स्थापित किया गया है।
- इसका उपयोग कार्बनिक पदार्थों से बने चित्रों और अन्य वस्तुओं को प्रमाणित करने के लिये किया जाएगा।
- यह एक्सीलेटर हीलियम और हाइड्रोजन नाभिकों की गति को बढ़ाने (प्रति सेकंड 20,000 से 30,000 किमी.) के बाद वस्तु पर नाभिकों की बौछार करता है।
- इससे विकिरण उत्सर्जित होती है, जिनके माध्यम से चित्र अथवा किसी भी वस्तु का बेहतर ढंग से विश्लेषण किया जा सकता है।

अध्याय
4

सुरक्षा
(Security)

प्रोब और ड्रोग

भारतीय वायु सेना की त्वरित चेतावनी और नियंत्रण (Airborne Early Warning and Control- AEW&C) का कार्य करने वाले एंब्रियर परिवहन विमान में एंब्रियर प्लेटफॉर्म पर पहली बार हवा में ईंधन भरा गया है।

प्रमुख बिंदु

- हवा ही में ईंधन भरने की पद्धति यानी 'प्रोब और ड्रोग' ('Probe and Drogue' air-to-air refuelling Methodology) में पायलटों के असाधारण उड़ान कौशल की आवश्यकता होती है।
- ऐसा इसलिये, क्योंकि ईंधन देने वाले विमान को ईंधन भरने वाले विमान के टैंकर के पीछे स्थित टोकरीनुमा संरचना को तलाश कर उसमें सटीक तरीके से ईंधन डालना होता है।
- हवा में ईंधन भरने की प्रक्रिया के दौरान दोनों ही विमानों में सटीक उड़ान मानदंड कायम रखे जाते हैं। ऐसी क्षमता दर्शाने वाली दुनिया की कुछ वायु सेनाओं में से एक भारतीय वायुसेना भी है।
- हवा में केवल 10 मिनट तक ईंधन भरने से विमान अतिरिक्त 4 घंटे उड़ान भर सकते हैं।
- अब आपात स्थिति में ईंधन भरने के लिये भारतीय एयरक्राफ्ट्स को ज़मीन पर उतरने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी।
- इस उपलब्धि से भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा।

मित्र शक्ति-*2017*

- 13-26 अक्तूबर के मध्य पुणे के औंध सैन्य स्टेशन में भारत और श्रीलंका की थल सेनाओं की इन्फैंट्री कंपनियों के मध्य मित्र शक्ति-2017 के नाम से संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के 5वें संस्करण का आयोजन किया गया।
- भारत और श्रीलंका के बीच मित्र शक्ति अभ्यास श्रृंखला को वर्ष 2012 में शुरू किया गया था।

मंत्र (Muntra) टैंक

हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की अवाडी (चेन्नई स्थित) कॉम्बैट व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टिब्लिशमेंट प्रयोगशाला ने दूर से संचालित किये जा सकने वाले मानवरहित बख्तरबंद वाहन मंत्रा को प्रदर्शित किया।

प्रमुख बिंदु

- यह वाहन भारतीय थल सेना में पहले से शामिल बीएमपी वर्ग के बख्तरबंद ट्रैक्ड वाहनों को परिष्कृत कर विकसित किया गया है।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन इस टेली ऑपरेटेड बख्तरबंद ट्रैक्ड वाहन के तीन प्रारूपों को विकसित कर रहा है। मंत्रा-एस को सर्विलांस मिशन के लिये, मंत्रा-एम को माइंस का पता लगाने के लिये, मंत्रा-एन को परमाणु या जैविक हमले की स्थिति में सैनिकों का बचाव करने के लिये विकसित किया जा रहा है।
- यह वाहन सर्विलांस रडार, इंट्रीग्रेटेड कैमरे, सेंसर फ्यूज़न तकनीक और लेज़र रेंज फाइंडर से लैस है, जिससे इसे 15 किमी. की दूरी से संचालित किया जा सकता है। वाहन का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिये गतिशील ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली का प्रयोग किया गया है।
- इस वाहन को सैनिकों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न मिशनों के लिये आसानी से पुनर्संयोजित किया जा सकता है।
- इस वाहन की रेंज और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिये स्वदेशी भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से प्राप्त आँकड़ों को इस वाहन की संचार एवं कंप्यूटर प्रणाली के साथ संयोजित किया जा रहा है।

अध्याय
5

सामाजिक मुद्दे
(Social Issues)

राष्ट्रीय पोषण रणनीति

नीति आयोग के अंतर्गत एक उच्चस्तरीय पैनल ने 10 सूत्रीय 'पोषण क्रिया योजना' तैयार की है, जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री के 'कुपोषण मुक्त भारत' के दृष्टिकोण के अनुसार शासन सुधारों को शामिल किया गया है।

उद्देश्य

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिये अनुकूलित राज्य/ज़िला कार्रवाई योजनाएँ बनाएँ।

आवश्यकता क्यों?

- भारत में 5 वर्ष से कम उम्र के 20 प्रतिशत बच्चे कम पोषण के कारण अपनी वास्तविक क्षमताओं को प्राप्त नहीं कर पाते हैं। कुपोषित बचपन अविकसित कार्यबल को जन्म देता है, जिसके कारण देश को 9 से 10 प्रतिशत की आय का नुकसान उठाना पड़ता है।
- एनएफएचएस-4 के आँकड़े भी महिलाओं और बच्चों दोनों में पोषण के तहत समग्र स्तर में गिरावट को दर्शाते हैं।
- वर्तमान में पोषण संबंधी निर्धारकों के लिये वास्तविक समय माप की कमी है, जिसके कारण सबसे कमज़ोर माताओं और बच्चों के बीच लक्षित कार्रवाई की क्षमता कम हो जाती है।

दीक्षा पोर्टल

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने शिक्षकों की जीवनशैली को अधिक डिजिटल बनाने हेतु डिजिटल मंच प्रदान करने के लिये दीक्षा पोर्टल (diksha.gov.in) प्रारंभ किया है।

प्रमुख बिंदु

- दीक्षा पोर्टल शिक्षकों के लिये एक राष्ट्रीय डिजिटल माध्यम है। यह शिक्षकों की शिक्षा के दायरे को गति देने के साथ-साथ उनके विभिन्न आयामों को विस्तारित करेगा।
- यह शिक्षकों के लिये राष्ट्रीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में भी काम करेगा। इस पोर्टल के माध्यम से पूरे देश के सभी शिक्षकों को उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी से लैस किया जाएगा।
- यह पोर्टल शैक्षिक संस्थानों में अध्यापकों की अपनी सेवा के प्रारंभ से सेवानिवृत्ति तक किये सभी कार्यों को संकलित करेगा।
- यह शिक्षकों को प्रशिक्षण सामग्री, प्रोफाइल, कक्षा संसाधनों, मूल्यांकन सहायता, समाचार और घोषणा बनाने एवं शिक्षक समुदाय से जुड़ने में मदद करेगा।
- यह पोर्टल शिक्षकों को अपने कौशल और ज्ञान के साथ अपना स्वयं का अलग प्रोफाइल बनाने में मदद करेगा। इससे शिक्षा क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिलेगी।
- सरकारी, निजी संस्थान और गैर-सरकारी संगठन भी दीक्षा कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।
- इस पोर्टल पर शिक्षकों को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से प्रशिक्षण प्राप्त होगा। साथ ही इसके माध्यम से शिक्षक अपने घर पर मुफ्त पाठ्यक्रम ऑनलाइन सीख सकते हैं।

अध्याय
6

कला एवं संस्कृति
(Art and Culture)

एक भारत-श्रेष्ठ भारत

सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत करने के लिये 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' योजना के तहत मध्य प्रदेश द्वारा नागालैंड और मणिपुर के साथ साझेदारी की गई।

- मध्य प्रदेश सरकार ने इस योजना को अंजाम देने के लिये अपने उच्च शिक्षा विभाग को नोडल विभाग बनाया।
- मध्य प्रदेश ने संगाई महोत्सव में भाग लिया, जिसका आयोजन मणिपुर में किया गया।
- इसी तरह नागालैंड और मणिपुर की टीमों ने मध्य प्रदेश के लोक रंग व बाल रंग कार्यक्रम में भागीदारी की, जहाँ उनके द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये गए।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के बारे में

- देश की विविधता के बारे में व्यापक रूप से प्रसार करने के लिये सरकार द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' योजना लाई गई थी।
- इस योजना के तहत दो राज्य एक साल के लिये एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाएंगे और सांस्कृतिक अवयवों तथा छात्रों के आदान-प्रदान में बेहतरीन साझेदारी कायम करेंगे।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ करना और लोगों को देश की विविधता तथा एक-दूसरे के राज्यों से व्यापक रूप से परिचित कराना है। इस योजना के पीछे विचार यह है कि प्रत्येक वर्ष एक राज्य भारत के किसी भी दूसरे राज्य से जुड़ेगा।

- इसके अलावा, मध्य प्रदेश में नागालैंड की पुस्तकों का अनुवाद कार्य भी शुरू किया गया, ताकि लोगों को उनकी गतिविधियों और सांस्कृतिक विरासत के साथ पेश किया जा सके।

आदि महोत्सव

- अभी हाल ही में राजधानी दिल्ली में दिल्ली हाट सहित विभिन्न स्थानों पर 15 दिवसीय 'आदि महोत्सव' का आयोजन हुआ।
- इस महोत्सव का मुख्य विषय "आदिवासी संस्कृति, व्यंजन और वाणिज्य की भावना का उत्सव" था।
- इसमें 25 राज्यों से लगभग 750 आदिवासी कलाकारों व कारीगरों ने अति-उत्साह से भाग लिया।
- इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार के आदिवासी हस्तशिल्प, कला, पेंटिंग, वस्त्र, आभूषण आदि वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई।
- इसमें लोगों ने खान-पान, खरीदारी, उत्कृष्ट संगीत एवं उत्तर-पूर्व के विभिन्न रॉक बैंड का आनंद लिया, जिसमें आदिवासी आभूषण तथा बाँस के सामान आकर्षण के मुख्य केंद्र थे।

नोट: इस आदि महोत्सव में 'आदि' शब्द का विशेष महत्त्व है, इसका अर्थ जनजातीय आरंभिक सत्य, शाश्वत मूल्य एवं स्वाभाविक सादगी से है।

- ध्यातव्य है कि इसके साथ-साथ सरकार 'आदिवासी सहकारी विपणन विकास संघ' (ट्राइफेड) के माध्यम से भी जनजातीय सशक्तीकरण का प्रयास करती है।

महोत्सव का महत्त्व

- भारत की लगभग 8 फीसदी आबादी आदिवासी है, जिनके संरक्षण व संवर्द्धन के लिये संविधान के तहत विभिन्न प्रावधान हैं और जिन्हें विकास की मुख्य धारा एवं बदलते बाज़ार से जोड़ने के लिये इस तरह के महोत्सव राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं।

अध्याय 7

संवैधानिक एवं प्रशासनिक (Constitutional and Administrative)

राइट टू प्राइवेसी

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संवैधानिक खंडपीठ ने जस्टिस के.एस. पुट्टस्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ वाद में सर्वसम्मति से निर्णय देते हुए 'निजता के अधिकार' को अनुच्छेद 21 के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार के तहत मूल अधिकार का अभिन्न हिस्सा माना है।

दीनदयाल 'स्पर्श' योजना

केंद्र सरकार द्वारा डाक टिकट संग्रह को प्रोत्साहन देने के लिये दीनदयाल 'स्पर्श' योजना (Scholarship for Promotion of Aptitude and Research in Stamps as a Hobby–SPARSH) का शुभारंभ किया गया है।

	डाक टिकट संग्रह (फिलैटली)
क्या है?	डाक टिकट संग्रह रुचि, डाक टिकटों के संग्रह और इसके अध्ययन से जुड़ी है। इसमें संग्रह और शोध भी शामिल हैं। डाक टिकट संग्रह के अंतर्गत डाक टिकटों को ढूंढना, चिह्नित करना, प्राप्त करना, सूचीबद्ध करना, प्रदर्शन करना, संग्रह करना आदि कार्य शामिल हैं। डाक टिकट संग्रह की रुचि को सभी रुचियों का राजा कहा जाता है।

क्या है यह?

- यह पूरे भारत के स्कूली बच्चों के लिये छात्रवृत्ति योजना है।
- इस योजना के तहत कक्षा VI से IX तक उन बच्चों को वार्षिक तौर पर छात्रवृत्ति दी जाएगी जिनका शैक्षणिक परिणाम अच्छा है और जिन्होंने डाक टिकट संग्रह को एक रुचि के रूप में चुना है।
- सभी डाक सर्किलों में आयोजित होने वाली एक प्रतियोगी प्रक्रिया के आधार पर डाक टिकट संग्रह में रुचि रखने वाले छात्रों का चयन किया जाएगा।
- इस योजना के अंतर्गत 920 छात्रवृत्तियाँ देने का प्रस्ताव है। प्रत्येक डाक सर्किल अधिकतम 40 छात्रों का चयन करेगा। कक्षा VI, VII, VIII और IX में प्रत्येक से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा। छात्रवृत्ति की राशि प्रतिमाह ₹500 (₹6000 वार्षिक) है।
- छात्रवृत्ति पाने के लिये बच्चे को पंजीकृत स्कूल का छात्र होना चाहिये, स्कूल में डाक टिकट संग्रह क्लब होना चाहिये तथा बच्चे को इस क्लब का सदस्य होना चाहिये।
- यदि स्कूल में डाक टिकट संग्रह क्लब नहीं है तो जिन छात्रों के डाक टिकट संग्रह के खाते हैं, उन्हें भी योग्य समझा जाएगा।

प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुजरात में गांधीनगर ज़िले के मोटा इशानपुर गाँव में प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत योजना की शुरुआत की।

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य एलपीजी उपयोगकर्त्ताओं के बीच यह जागरूकता फैलाना है कि कैसे साफ ईंधन और इसके उपयोगी लाभों का उपयोग किया जाए।

अध्याय
8

आर्थिक पॉलिसी
(Economic Policy)

'संकल्प' और 'स्ट्राइव'

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विश्व बैंक समर्थित दो नई योजनाओं– आजीविका संवर्द्धन के लिये दक्षता हासिल करने और ज्ञान बढ़ाने (Skills Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood Promotion–SANKALP) तथा औद्योगिक मूल्य संवर्द्धन हेतु दक्षता सुदृढ़ीकरण (Skill Strengthening for Industrial Value Enhancement–STRIVE) योजनाओं को मंज़ूरी प्रदान कर दी है।

नोटः 'संकल्प' और 'स्ट्राइव' दोनों निष्कर्ष आधारित योजनाएँ हैं। इनमें व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सरकार की कार्यान्वयन रणनीति को इनपुट के साथ परिणामों से जोड़ा गया है।

संकल्प योजना

- इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षकों एवं मूल्यांकनकर्त्ता अकादमियों के स्वतः धारणीय (Self Sustainable) मॉडलों की स्थापना पर विचार किया जाएगा तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में 50 से अधिक अकादमियों की स्थापना की जाएगी।
- मुख्य रूप से देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को लक्षित इस योजना का उद्देश्य महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा दिव्यांगजनों सहित हाशिये पर स्थित अन्य समुदायों को बड़े पैमाने पर दक्षता प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करना है।

स्ट्राइव योजना

इस योजना का प्रमुख उद्देश्य आई.टी.आई. के कार्य निष्पादन में संपूर्ण सुधार को प्रोत्साहित करना है, जिसके तहत एस.एम.ई., व्यावसायिक संगठनों तथा औद्योगिक समूहों में अप्रेंटिसशिप भी शामिल हैं।

बंधन बैंक

- हाल ही में बंधन बैंक ने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) की प्रक्रिया प्रारंभ की है।
- जब कोई निजी कंपनी पहली बार सार्वजनिक शेयर जारी करती है तो उसे **आईपीओ** कहा जाता है।
- बंधन ऐसी पहली माइक्रोफाइनेंस संस्था है जिसे 2015 में सार्वभौमिक बैंकिंग लाइसेंस प्रदान किया गया।
- सार्वभौमिक बैंकिंग में वाणिज्यिक बैंक तथा निवेश बैंक की सेवाओं का संयोजन किया जाता है तथा एक ही इकाई द्वारा सभी सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
- इन सेवाओं में जमा खाता; विभिन्न प्रकार की निवेश सेवाएँ आदि सम्मिलित होती हैं। यहाँ तक कि इसके द्वारा बीमा सेवाएँ भी प्रदान की जा सकती है।
- आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार किसी भी बैंक के लिये बैंकिंग सेवाएँ आरंभ के 3 वर्ष के भीतर 'सूचीबद्ध' (Listed) होना अनिवार्य है।

ई-रकम

हाल ही में केंद्र सरकार ने 'ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी' (e-RAKAM) नामक पोर्टल लॉन्च किया। इस पोर्टल की सहायता से किसान अपने कृषि उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री में सक्षम होंगे।

ई-रकम क्या है?

- यह किसानों को वैश्विक कृषि बाज़ारों से जोड़ने के लिये केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही तकनीकी पहल है। इस डिजिटल पहल के माध्यम से किसानों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, खरीददारों और नागरिक आपूर्तिकर्त्ताओं को कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री के लिये एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

अध्याय
9

पुरस्कार एवं सम्मान
(Awards and Honours)

पंकज सेमवाल को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार

- उत्तराखंड के टीहरी गढ़वाल ज़िले के पंकज सेमवाल को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कारों के लिये चयनित किया गया।
- पंकज की उम्र 15 वर्ष 10 महीने है।
- उन्हें यह पुरस्कार एक गुलदार के हमले से अपनी माँ की जान बचाने के लिये प्रदान किया गया।

डॉ. विक्रम चंद्र ठाकुर को पद्म श्री

- उत्तराखंड के वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व निदेशक डॉ. विक्रम चंद्र ठाकुर को पद्म श्री सम्मान से नवाजा गया। डॉ. ठाकुर धर्मशाला (उत्तराखंड) के निवासी हैं।

मेजर विजयंत विष्ट को कीर्ति चक्र

- उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी मेजर विजयंत विष्ट के इस वर्ष कीर्ति चक्र से नवाज़ा गया।
- मेजर विष्ट जम्मू-कश्मीर लाइट इंफेंट्री की चौथी बटालियन में मेजर हैं।
- कीर्ति चक्र शांतिकाल में वीरता के लिये दिया जाने वाला दूसरा बड़ा पुरस्कार है।

भारत विकास रत्न पुरस्कार

- सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिये आशु सत्विका गोयल को भारत विकास रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार ग्लोबल सोसायटी फॉर हेल्थ एंड एजुकेशन ग्रोथ द्वारा प्रदान किया जाता है।
- गोयल बच्चों और महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन 'नान्या दुन्या' में एक शैक्षिक समन्वयक और घटना आयोजक के रूप में काम करती हैं।
- वे वर्ष 2013 से देहरादून में विविधता और पृथ्वी फैलोशिप मनाने के लिये सालाना आयोजित होने वाले रंग-हिमालय त्योहार के सह-संस्थापक हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार

- वर्ष 2017 का प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार (53वाँ) हिन्दी भाषा की प्रसिद्ध साहित्यकार कृष्णा सोबती को दिये जाने की घोषणा की गई है। इससे पूर्व कृष्णा सोबती को वर्ष 1980 में साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा वर्ष 1996 में साहित्य अकादमी फैलोशिप से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- 'डार से बिछुड़ी', 'मित्रो मरजानी', 'ज़िंदगीनामा', 'दिलो दानिश', 'बादलों के घेरे', 'ऐ लड़की' तथा 'गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिंदुस्तान' उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं। उनका जन्म पंजाब प्रांत के गुजरात ज़िले में (वर्तमान में पाकिस्तान में) वर्ष 1925 में हुआ था।
- स्मरणीय है कि वर्ष 2016 में 52वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार बांग्ला साहित्य के प्रसिद्ध कवि शंख घोष को दिया गया था।
- वर्ष 1965 में स्थापित भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित 22 भारतीय भाषाओं में लेखन करने वाले साहित्यकार को उनके जीवन भर के साहित्यिक योगदान के फलस्वरूप यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹11 लाख की धनराशि, प्रशस्ति-पत्र तथा वाग्देवी की काँसे की प्रतिमा प्रदान की जाती है।

अध्याय
10

खेल परिदृश्य
(Sports Scenario)

इंडोर तीरंदाजी विश्वकप में दून के जय सिंह को काँस्य पदक

- विश्व तीरंदाजी महासंघ की ओर से थाईलैंड के बैंकॉक शहर में आयोजित इंडोर तीरंदाजी विश्वकप में दून के जय सिंह ने काँस्य पदक हासिल किया।
- जय सिंह ने यूथ कैटेगरी में यह पदक हासिल किया जबकि ओपन आयुवर्ग में वे 20वें स्थान पर रहे।
- इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के करीब 350 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

अंतर्राष्ट्रीय रोलर स्कैटिंग प्रतियोगिता में अस्तित्व ने लपके दो स्वर्ण

- थाइलैंड के पटाया शहर में आयोजित ओपन इंटरनेशनल रोलर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में उत्तरकाशी के चक्रगाँव (बड़कोट) के अस्तित्व डोभाल ने स्केटिंग प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीते।
- अस्तित्व ने 400 मीटर और 1000 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किये।
- इस प्रतियोगिता का आयोजन एशियन रोलर स्केटिंग स्पोर्ट्स एक्सपर्ट काउंसिल कमेटी की ओर से किया गया था।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप (न्यूजीलैंड) के लिये उत्तराखंड के दो खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में

- हल्द्वानी के आर्यन हुयाल तथा बागेश्वर भरसीला के कमलेश नागरकोटी का चयन भारतीय क्रिकेट टीम में किया गया।
- आर्यन बतौर विकेट कीपर और बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल हैं, जबकि कमलेश नागर कोटी ऑलराउंडर हैं।

फुटबॉल वार्षिक पुरस्कार, 2017

- सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी- **क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल)**
- सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला खिलाड़ी- **लियेके मार्टेंस (नीदरलैंड्स)**
- सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच- **जिनेदिन जिडाने (फ्राँस)**
- सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच- **सरिना विएगमैन (नीदरलैंड्स)**
- सर्वश्रेष्ठ फीफा गोलकीपर- **गियानलुइगी बुफानो (इटली)**
- फेयर प्ले अवॉर्ड- **फ्राँसिस कोने (टोगो)**

हॉकी महिला एशिया कप, 2017

- आयोजन- **काकामिगाहारा, गिफू (जापान)**
- विजेता (स्वर्ण पदक)- **भारत**
- उपविजेता (रजत पदक)- **चीन**
- भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान- **रानी रामपाल**

डेविस कप, 2017 (टेनिस)

- **विजेता-** फ्राँस
- **उपविजेता-** बेल्जियम

अध्याय 11

सम्मेलन/प्रदर्शनी/महोत्सव (Conferences/Exhibitions/Festivals)

वैश्विक उद्यमिता सम्मेलन

28-30 नवंबर के मध्य 'आठवें वैश्विक उद्यमिता सम्मेलन' (8th Global Entrepreneurship Summit) का आयोजन हैदराबाद, तेलंगाना में किया गया। इस सम्मेलन की थीम 'पहले महिलाएँ, समृद्धि सबके लिये' (Women First, Prosperity for All) रखी गई थी।

सम्मेलन का आयोजन भारत एवं अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पहली बार इस सम्मेलन का आयोजन भारत में किया गया। सम्मेलन में विश्व भर के उद्यमियों, निवेशकों, सरकारी अधिकारियों तथा व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री एवं सलाहकार इवांका ट्रंप ने किया।

जैविक कृषि विश्व कुंभ, 2017

19वें जैविक कृषि विश्व कुंभ (19th Organic World Congress, 2017) का इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में 9-11 नवंबर, 2017 के मध्य आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन में 110 देशों के 1400 और 2000 भारतीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कृषि विश्व कुंभ तीन वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। इस सम्मेलन का आयोजन द इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग मूवमेंट्स (आईफोम) और भारतीय जैविक कृषि एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

- अभी 14-27 नवंबर के मध्य 14 दिनों तक चलने वाला 37वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला आयोजित किया गया। यह ***भारतीय व्यापार संवर्द्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली के प्रगति मैदान में*** आयोजित किया जाता है।
- इस वर्ष के मेले का विषय ***'स्टार्टअप इंडिया स्टैंडअप इंडिया'*** रखा गया था। इस मेले में ***वियतनाम जहाँ भागीदार*** देश था वहीं ***किर्गिस्तान को फोकस*** देश रखा गया था। इस मेले में ***झारखंड*** भागीदार राज्य के रूप में था।
- इसमें भारतीय राज्यों व केंद्र-शासित प्रदेशों के साथ-साथ विभिन्न देशों के लगभग सात हज़ार भागीदार सम्मिलित हुए। इसमें सम्मिलित हुए देशों के नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से लेकर पुस्तक व वस्त्रों तक के विभिन्न उत्पाद सम्मिलित थे। इसमें स्वयं सहायता समूह, छोटे व मध्यम विनिर्माण उद्यम, नवीन स्टार्टअप से लेकर बड़े औद्योगिक घरानों के उत्पाद भी उपलब्ध थे। इसमें ***हुनर हाट*** विशेष आकर्षण का केंद्र था।

भारतीय व्यापार संवर्द्धन संगठन (आईटीपीओ)

आईटीपीओ ***वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का प्रमुख व्यापार संवर्द्धक संगठन*** है। यह व्यापार व उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सेवाओं की व्यापक श्रेणी प्रदान करता है। प्रगति मैदान में अपने मुख्यालय के साथ-साथ कोलकाता, मुंबई, चेन्नई व बंगलूरू में इसके क्षेत्रीय कार्यालय भी हैं। यह राज्य सरकारों को क्षेत्रीय व्यापार संवर्द्धन केंद्र स्थापित करने में भी सहायता करता है।

हौसला-2017 उत्सव

16-20 नवंबर, 2017 के मध्य संपूर्ण देश में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाल अधिकार सप्ताह 'हौसला-2017' उत्सव मनाया गया।

अध्याय
12

अंतरिक्ष
(Space)

आदित्य-एल 1

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ***(इसरो)*** द्वारा ***सूर्य की*** गतिविधियों का अध्ययन करने वाले भारत के पहले सोलर मिशन 'आदित्य-एल 1' (Aditya-L1) को वर्ष 2019 अथवा 2020 तक प्रमोचित किये जाने की योजना है।

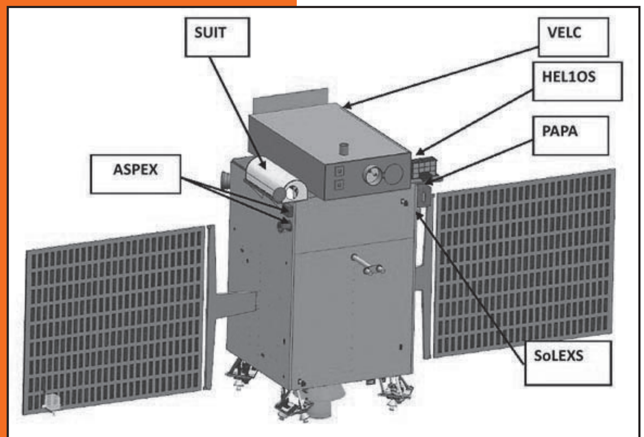

उद्देश्य

- यह सूर्य की सबसे बाहरी परत ***कोरोना*** और ***क्रोमोस्फियर*** आदि की परिवर्तनशील प्रवृत्ति का अध्ययन करेगा।
- यह अंतरिक्ष ***मौसम पूर्वानुमान के*** लिये सूचनाओं का संग्रहण और इसका अध्ययन करेगा।
- इसके अलावा, यह ग्रहों के मध्य उत्पन्न होने वाले ***सौर तूफानों*** तथा उनके मार्ग के बारे में अध्ययन करेगा।

प्रमुख बिंदु

- इस मिशन के अंतर्गत तकरीबन ***1500 किग्रा.*** भार वर्ग के उपग्रह आदित्य-एल 1 को ***लेग्रांजियन (Lagrangian)*** ज्वॉइंट पर क्रमादेशित किया जाएगा।
- आदित्य-एल 1 उपग्रह लगभग ***सात पेलोडों (Payloads)*** को ले जाएगा।
- वर्तमान में अंतरिक्ष में कोई भी सन इमेजिंग सैटेलाइट नहीं है।
- आदित्य-एल 1 सोलर मिशन वर्ष ***2008 में*** प्रस्तावित आदित्य-1 सोलर मिशन का ***संवर्द्धित*** रूप है।
- यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और विभिन्न संस्थानों का एक ***संयुक्त उद्यम*** है।
- पृथ्वी और सूर्य के मध्य स्थित एल 1 लेग्रांजियन (Lagrangian) ज्वॉइंट पर अब तक केवल कुछ ही अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा उपग्रहों का प्रक्षेपण किया जा सका है, जिसमें अमेरिका की नासा और यूरोप की ईएसए (European Space Agency – ESA) के सहयोग से निर्मित किया जाने वाला ***द सोलर एंड हेलियोस्फेरिक ऑब्ज़र्वेटरी (SOHO)*** और ***अमेरिकी स्पेस एजेंसी का एडवांस्ड कम्पोज़ीशन एक्सप्लोरर (ACE)*** शामिल है। इन्हें विशेष रूप से सूर्य और अंतरिक्ष के मौसम का अध्ययन करने के लिये एल 1 (L1) पॉइंट पर स्थापित किया गया था।

मिशन के पेलोड

- **विज़िबल इमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (VELC):** यह सोलर कोरोना के लाक्षणिक मापदंडों और परिवर्तनशीलता तथा कोरोनल मास इजेक्शन की उत्पत्ति का अध्ययन करेगा। इसके अलावा, यह सोलर कोरोना के चुंबकीय क्षेत्र का भी मापन करेगा।
- **सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलिस्कोप (SUIT):** यह विशेष रूप से अल्ट्रावायलेट क्षेत्र के आसपास स्थित सोलर फोटोस्फियर और क्रोमोस्फियर की तस्वीर लेगा और सोलर विकिरणों के मध्य भिन्नता का मापन करेगा।

अध्याय
13

उत्तराखंड : सम-सामयिकी (Uttarakhand : Current Affairs)

पर्यटन विभाग के अभिनव प्रयास

1. भारत सरकार की 'प्रसाद' योजनांतर्गत केदारनाथ यात्रा मार्ग पर पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के समेकित विकास के लिये ₹ 3478.48 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना में मुख्य रूप से रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा, अगस्तमुनि, गुप्तकाशी, ऊखीमठ में पार्किंग सुविधा सृजित की जानी है। इस योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में बद्रीनाथ का पर्यटन विकास किये जाने हेतु भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा ₹ 39.24 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने की सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गई है।
2. **'स्वदेश दर्शन'** योजना के अंतर्गत महाभारत सर्किट विकसित किये जाने हेतु ₹ 97.70 करोड़ का कन्सेप्ट नोट पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार में प्रस्तुत किया जा चुका है।
3. **अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर की स्थापना:** राज्य में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये ऋषिकेश (आई.डी.पी.एल.) में अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव है।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोज़गार योजना

उत्तराखंड राज्य के निवासियों एवं मुख्य रूप से युवा वर्ग को पर्यटन सेक्टर से अधिकाधिक स्वरोज़गार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तराखंड की प्रथम स्वरोज़गार योजना 'वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोज़गार योजना' का प्रारंभ 01 जून, 2002 को किया गया। इस योजना में बस/टैक्सी परिवहन सुविधाओं का विकास, मोटर गैराज/वर्कशाप निर्माण, फास्टफूड सेंटर्स की स्थापना, साधना कुटीर/योग ध्यान केंद्रों की स्थापना, मोटलनुमा आवासीय सुविधाओं की स्थापना/होटल/पेइंग गेस्ट योजना, स्थानीय प्रतीकात्मक वस्तुओं के विक्रय केंद्रों की स्थापना, साहसिक क्रियाकलापों हेतु उपकरणों का क्रय, पी.सी.ओ. सुविधायुक्त आधुनिक पर्यटन सूचना केंद्रों की स्थापना तथा टैंटेज आवासीय सुविधाओं के विकास तथा क्षेत्र विशेष के आकर्षणों एवं विशेषताओं के अनुरूप किसी पर्यटन अभिनव परियोजना पर भी विचार किया जा सकता है। इस योजना के तहत वर्ष 2016-17 के अंतर्गत ₹ 480.00 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई, जबकि 2017-18 के दौरान ₹ 780.00 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में इस योजना के अंतर्गत जनवरी, 2018 तक संपूर्ण उत्तराखंड के कुल 143 उद्यमियों/बेरोज़गारों को लाभन्वित किया गया है। योजनारंभ से जनवरी, 2018 तक इस योजना का लाभ 5931 आवेदकों द्वारा प्राप्त किया जा चुका है।

> वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोज़गार योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें कतिपय अन्य पर्यटन व्यवसायों यथा- Mountain Terrain Bike, कैरेवन, टूरिज्म, एंगलिंग उपकरणों का क्रय, एस्ट्रोनॉमी पर्यटन व्यवसाय, आधुनिक सुविधायुक्त पर्यटक सूचना केंद्र को सम्मिलित किये जाने का प्रस्ताव है।

उत्तराखंड ग्रामीण पर्यटन उत्थान योजना

ग्रामीण क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को ग्रामीण परिवेश में परिलक्षित करने तथा ग्रामों में बसने वाले समुदायों को वित्तीय, सामाजिक तथा आर्थिक अवधारणा को जागृत कर पर्यटकों एवं ग्रामीणों के मध्य आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए ग्रामों में रोज़गार सृजन के लिये उत्तराखंड ग्रामीण पर्यटन उत्थान योजना प्रारंभ की गई है।

एकल ग्राम

इसके अंतर्गत चयनित ग्रामों में स्थलीय विकास किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान में 3 ग्रामों को चयनित किया गया है। इनमें से प्रथम मावड़ा, ज़िला अल्मोड़ा, द्वितीय बंगलो की कांडी, ज़िला टिहरी गढ़वाल तथा तृतीय सौड़, ज़िला टिहरी गढ़वाल में अवस्थित है।

डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

Website : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

DrishtiIAS
YouTube Drishti IAS
drishtiias
drishtithevisionfoundation

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Phones : 011-47532596, +91-8130392354, 813039235456